

SMT. L. SUBADANI DEVI

Smt. L. Subadani Devi, former founder Secretary, Nongdon Lairembi Weavers' Co-operative Society for nearly 20 (Twenty) years, is also the founder Secretary of Shiva handloom and Handicrafts co-operative society, Wangkhei Tokpam Leikai, Imphal since 2002. In the Master creation Programme 2005 at Delhi Haat for display and sale Smt. Subadani Devi made an important contribution by lighting the candle in the inaugural function as a mark of appreciation.

2. Born on March 1, 1949, Smt. Subadani Devi started her career as the Primary School (tribal) teacher in 1967 after passing only class VIII for upliftment of weaker section of the society. She also worked with the application of self help - the training of the females in the indigenous process of ginning, carding, rolling, spinning and winding for weaving in the loin loom, throw shuttle loom and fly shuttle loom for weaving bed covers, saris, table clothes etc besides giving employment to the females for washing purposes. She took part to play an important role at Textile Meeting at Imphal in 2008 for inclusion of Wangkheiphee, Moirangphijin and Shami Lanmi in the G.I. Act.

3. Smt. Subadani Devi served as the instructor of weavers each in 1995 - 96 and 2008 - 09 to impart training six months courses under Human Resources Development scheme for creation of different designs along with preservation of traditional designs. Five excellent masterpieces of Artistic textiles woven by five skilled weavers under her instruction and guidance had already been sent, as directed, to the office of the Development Commissioner, Handlooms, Ministry of Textiles.

4. Smt. Subadani Devi further contributed valuable services for weaker sections of society as being the executive member of Women's Education Development Association (WEDA) since 2001. She participated as the representative in the discussion of Handloom Weavers and Handicrafts Artisans and Exporters at State Guest House, Imphal with Sub-committee of parliamentary Standing Committee 1998. She was also selected as Zonal Level Selection Committee member in 1999 for recommendation to the selection of Awardees. Further she has also been selected as member of Central Level Selection Committee for selection of Sant Kabir, National and National Merit Awards in New Delhi in 2017.

5. Smt. Subadani Devi is the recipient of several awards and honours. State Govt. awarded her first prize along with the best marketing handloom and handicrafts in the year 1992. She received Certificate of Honour in the Industrial exhibition 1993 at Imphal. She was placed in the first position in the exhibition on Women's Handloom and handicrafts products in 1999. She also received National Award in 1993 for development of Moirangphee sheet Lamthang Khuthat design. For her invaluable contribution to the development of traditional Artistic Textiles in Ningkham Samjin sheet design she was awarded Sant Kabir Award in 2011.



श्रीमती एल.सुबादानी देवी

श्रीमती एल. सुबादानी देवी लगभग 20 (बीस) वर्षों तक नॉगदोन लायरेम्बीवीवर्स कोऑपरेटिव सोसायटी की पूर्व संस्थापक सचिव और वर्तमान में, वर्ष 2002 से शिवा हैण्डलूम एंड हैण्डी क्राफ्ट्स कोआपरेटिव सोसायटी, वैंगखई टोकपम लेकई, इम्फाल की भी संस्थापक सचिव हैं। दिल्ली हाट में मास्टर क्रिएशन प्रोग्राम, 2005 में प्रदर्शन एवं बिक्री के लिए उदघाट्न कार्यक्रम में प्रशंसा के संकेत के रूप में आपने मोमबत्ती प्रज्वलित करके एक महत्वपूर्ण योगदान किया था।

2. आपका जन्म 01 मार्च, 1949 को हुआ था। मात्र आठवीं कक्षा पास करने के बाद आपने समाज के कमजोर वर्ग के उत्थान के लिए वर्ष 1967 में प्राथमिक स्कूल (जनजाति) के अध्यापक के रूप में अपने करिअॅर की शुरुआत की थी। आपने धुलाई प्रयोजनों के लिए महिलाओं को रोजगार देने के अलावा स्वयं-सहायता के अनुप्रयोग के साथ उन्हें लॉयन लूम, थ्रो शटल लूम तथा फ्लाई शटल लूम में बेड कवर्स, साड़ियां, टेबल क्लोदस आदि की बुनाई के लिए ओटाई की देसी प्रक्रिया, कार्डिंग, रोलिंग, कताई तथा वाइंडिंग में प्रशिक्षित करने का कार्य किया। आपने वैंगखेपी, मोयरांगफिज़िन और शामी लैनमी को जी.आई.अधिनियम में शामिल करने के लिए वर्ष 2008 में इम्फाल में हुई टेक्सटाइल मीटिंग में एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा करने के लिए हिस्सा लिया था।

3. आपने पारंपरिक डिजाइनों को संजोने के साथ-साथ विभिन्न डिजाइनों के सृजन हेतु मानव संसाधन विकास स्कीम के अंतर्गत वर्ष 1995-96 तथा वर्ष 2008-09 प्रत्येक में,छह माह के पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण देने के लिए बुनकरों के अनुदेशक के रूप में सेवाएं प्रदान कीं। निदेशानुसार, आपके अनुदेशों और मार्गदर्शन में पांच कुशल बुनकरों द्वारा बुने गए कलात्मक वस्त्रों की पांच उत्कृष्ट कलाकृतियों को पहले ही विकास आयुक्त के कार्यालय, हथकरघा उद्योग, वस्त्र मंत्रालय को भेज दिया गया है।

4. वर्ष 2001 से आप महिलाओं के शिक्षा विकास एसोसिएशन के कार्यकारी सदस्य होनेके नाते आपने समाज के कमजोर तबके के लिए अमूल्य सेवाएं प्रदान की। आपने 1998 में संसदीय स्थायी समिति की उप समिति के साथ राज्य अतिथि गृह, इंफाल में हैण्डलूम वीवर्स एंड हैण्डीक्राफ्ट्स आर्टीजन्स एंड एक्सपोर्टर्स की चर्चा में एक प्रतिनिधि की हैसियत से हिस्सा लिया था। आपको पुरस्कार विजेताओं के चयन के संबंध में सिफारिशें करने के लिए वर्ष 1999 में जोनल लेवल सेलेक्शन कमेटी के सदस्य के रूप में भी चुना गया था। इसके अतिरिक्त, आपको वर्ष, 2017 में नई दिल्ली में, संत कबीर, नेशनल एवं नेशनल मेरिट पुरस्कारों के चयन के लिए केन्द्र स्तरीय चयन समिति के सदस्य के रूप में भी चुना गया हैं।

5. आपको कई पुरस्कारों और सम्मानों से नवाजा गया है। राज्य सरकार ने आपको वर्ष 1992 में सर्वोतम मार्केटिंग हैण्डलूम और हैण्डीक्राफ्ट्स का प्रथम पुरस्कार प्रदान किया । आपको इम्फाल औद्योगिक प्रदर्शनी, 1993 में सम्मान प्रमाण-पत्र प्राप्त हुआ। वर्ष 1999 में महिलाओं के हैण्डलूम एवं हैण्डीक्राफ्ट्स उत्पाद संबंधी प्रदर्शनी में आपको पहली पोजीशन में रखा गया था। आपको वर्ष 1993 में मोयरंग की शीट लैमथैग खुथाट डिजाइन के विकास के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। वर्ष 2011 में, निंखाम सैम जिन शीट डिजाइन वाले पारंपरिक कलात्मक वस्त्रों के विकास में अपना अमूल्य योगदान देने के लिए आपको संत कबीर पुरस्कार से नवाज़ा गया।